Department of Hindi

Open Elective/Generic Elective (OE/GE) Course

Semester-I

Year	Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	Credit	No. of Lectures/ Practical to be conducted
1	I	OE/GE	HN-OE-101T	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)	Theory	4	60

Semester-II

Year	Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	Credit	No. of Lectures/ Practical to be conducted
1	II	OE/GE	HN-OE-102T	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवंआधुनिक काल)	Theory	4	60

OPEN ELECTIVE COURSE (OE–1)– हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course	
		Lecture	Practical
HN-OE-101T–हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)	4	4	--

- **उद्देश्य-**

1. छात्रों को हिंदी साहित्य लेखन की परंपरा से अवगत कराना।
2. छात्रों को हिंदी साहित्य के काल विभाजन से परिचित कराना।
3. छात्रों को हिंदी साहित्य के नामकरण का परिचय देना।
4. छात्रों को आदिकालीन एवं भक्तिकालीन परिस्थितियों से अवगत कराना।
5. छात्रों को आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
6. छात्रों को आदिकाल तथा भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय देना।
7. छात्रों को सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य तथा रासो साहित्य से अवगत कराना।
8. छात्रों को संत काव्यधारा की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
9. छात्रों को सूफी काव्यधारा की प्रवृत्तियों से अवगत कराना।
10. छात्रों को रामभक्ति काव्यधारा की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
11. छात्रों को कृष्णभक्ति काव्यधारा की प्रवृत्तियों से अवगत कराना।

- **पाठ्यक्रमकीउपादेयता :**

1. छात्र हिंदी साहित्य लेखन की परंपरा से अवगत हुए।
2. छात्र हिंदी साहित्य के काल विभाजन से परिचितहुए।
3. छात्रों को हिंदी साहित्य के नामकरण का परिचय प्राप्त हुआ।
4. छात्र आदिकालीन एवं भक्तिकालीन परिस्थितियों से अवगत हुए।
5. छात्र आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित हुए।
6. छात्रों को आदिकाल तथा भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय प्राप्त हुआ।
7. छात्र सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य तथा रासो साहित्य से अवगत हुए।

8. छात्र संत काव्यधारा की प्रवृत्तियों से परिचित हुए।
9. छात्र सूफी काव्यधारा की प्रवृत्तियों से अवगत हुए।
10. छात्र रामभक्ति काव्यधारा की प्रवृत्तियों से परिचित हुए।
11. छात्र कृष्णभक्ति काव्यधारा की प्रवृत्तियों से अवगत हुए।

पाठ्यक्रम :-

इकाई क्रमांक	इकाई का नाम	विषय	आवश्यक तासिका
1	आदिकाल	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा हिंदी साहित्य का काल विभाजन हिंदी साहित्य का नामकरण आदिकालीन परिस्थितियाँ– सामान्य परिचय 1) राजनीतिक परिस्थिति 2) सामाजिक परिस्थिति 3) धार्मिक परिस्थिति 4) साहित्यिक परिस्थिति	15
2	आदिकाल	आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ सिद्ध साहित्य नाथ साहित्य रासो साहित्य जैन साहित्य प्रमुख कवि– चंदबरदाई, अमीर खुसरो, विद्यापति, हेमचंद्र	15
3	भक्तिकाल	भक्तिकालीन परिस्थितियाँ– सामान्य परिचय 1) राजनीतिक परिस्थिति 2) सामाजिक परिस्थिति 3) धार्मिक परिस्थिति 4) साहित्यिक परिस्थिति निर्गुण भक्ति काव्य संत काव्य धारा की प्रवृत्तियाँ	15

		सूफी काव्य धारा की प्रवृत्तियाँ प्रमुख कवि– कबीर, जायसी	
4	**भक्तिकाल**	सगुण भक्ति काव्य राम भक्तिधारा की प्रवृत्तियाँ कृष्ण भक्तिधारा की प्रवृत्तियाँ प्रमुख कवि– सूरदास, तुलसीदास	**15**

- **संदर्भ ग्रंथ :-**

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचानात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र
7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
8. हिंदी साहित्य का इतिहास – प्रो. माधव सोनटक्के
9. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – डॉ. सुमन राजे
10. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
11. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. जालिंदर इंगळे

OPEN ELECTIVE COURSE (OE–3)– हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल)

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course	
		Lecture	Practical
HN-OE-03(A)T–हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवंआधुनिक काल)	4	4	--

- **उद्देश्य-**

1. छात्रों को रीतिकालीन एवं आधुनिक कालीन परिस्थितियों से अवगत कराना।
2. छात्रों को रीतिकालीन एवं आधुनिक कालीन साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
3. छात्रों को रीतिसिद्ध काव्य, रीतिबद्ध काव्य तथा रीतिमुक्त काव्य से परिचित कराना।
4. छात्रों को रीतिकाल एवं आधुनिक काल के प्रमुख कवियों का परिचय देना।
5. छात्रों को भारतेंदू युगीन काव्य की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
6. छात्रों को द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रवृत्तियों से अवगत कराना।
7. छात्रों को छायावाद की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
8. छात्रों को प्रगतिवाद की प्रवृत्तियों से अवगत कराना।
9. छात्रों को प्रयोगवाद की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
10. छात्रों को राष्ट्रीय काव्यधारा की प्रवृत्तियों से अवगत कराना।
11. छात्रों में काव्य के मूल्यांकन की दृष्टि विकसित करना।

- **पाठ्यक्रमकीउपादेयता :**

1. छात्र रीतिकालीन एवं आधुनिक कालीन परिस्थितियों से अवगत हुए।
2. छात्र रीतिकालीन एवं आधुनिक कालीन साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित हुए।
3. छात्र रीतिसिद्ध काव्य, रीतिबद्ध काव्य तथा रीतिमुक्त काव्य से परिचित हुए।
4. छात्रों को रीतिकाल एवं आधुनिक काल के प्रमुख कवियों का परिचय प्राप्त हुआ।
5. छात्र भारतेंदू युगीन काव्य की प्रवृत्तियों से परिचित हुए।
6. छात्रों को द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रवृत्तियों से अवगत कराना।
7. छात्र छायावाद की प्रवृत्तियों से परिचित हुए।
8. छात्र प्रगतिवाद की प्रवृत्तियों से अवगत हुए।

9. छात्र प्रयोगवाद की प्रवृत्तियों से परिचित हुए।
10. छात्र राष्ट्रीय काव्यधारा की प्रवृत्तियों से अवगत हुए।
11. छात्रों में काव्य के मूल्यांकन की दृष्टि विकसित हुई।

पाठ्यक्रम :-

इकाई क्रमांक	इकाई का नाम	विषय	आवश्यक तासिका
1	रीतिकाल	1) रीतिकालीन परिस्थितियाँ–सामान्य परिचय राजनीतिक परिस्थिति, सामाजिक परिस्थिति, धार्मिक परिस्थिति, साहित्यिक परिस्थिति 2) रीतिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ 3) रीति सिद्ध काव्य, रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य 4) प्रमुख कवि केशवदास, पद्माकर, बिहारी, घनानंद	15
2	आधुनिक काल	1) भारतेंदूयुगीन काव्य 2) प्रमुख कवि – भारतेंदू हरिश्चंद्र, पं. बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' 3) द्विवेदी युगीन काव्य 4) प्रमुख कवि – मैथिलीशरण गुप्त, पं. श्रीधर पाठक	15
3	आधुनिक काल	1) राष्ट्रीय काव्यधारा 2) प्रमुख कवि – माखनलाल चतुर्वेदी, रामधारीसिंह दिनकर 3) छायावाद 4) प्रमुख कवि – जयशंकर प्रसाद, सुर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा	
4	आधुनिक काव्य की प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि	1) प्रगतिवाद 2) प्रमुख कवि – नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल 3) प्रयोगावाद 4) प्रमुख कवि – अज्ञेय, मुक्तिबोध	15

- **संदर्भ ग्रंथ :-**

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचानात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र
7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
8. हिंदी साहित्य का इतिहास – प्रो. माधव सोनटक्के
9. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – डॉ. सुमन राजे
10. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
11. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. जालिंदर इंगळे